

A C टी

क्र. 23/2018

कुमल वनाम शूलचंद

25/1/21

पत्रावली पेज डूँ | वकील जाची मनुपलियात |
 बार-बार आवण लागारे-गरे फिर भी-द्वेष
 जाची व वकील जाची मनुपलियात ही खरप-आम 5-30
 का हो चुक हो-पुनः आवण लागारे गरे कब भी
 स्वेष जाची व वकील जाची मनुपलियात ही जाची-तारी
 का जापड बापडापरी-मडम हापरी-मडम देवरी मे
 व्वालिप विप-जाताही पत्रावली-जेगल शुकर होकर
 इजे-नेकर ये का-होकर आवेन दफ्तर ही |
 विवेक जाप-डिगन 25/1/21 को लिखाया
 जाकर-करे इजनाक-कुनम जाप |

Chatur

सहायक कलक्टर
जयपुर शहर द्वितीय